A-0235

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MASL–609

M.A. SANSKRIT (MASL)

(नाटक एवं नाटिका भाग-02)

4th Semester Examination, Session December 2024

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्नलिखित श्लोक में से किन्हीं **दो** श्लोकों की व्याख्या कीजिए–

(क) अपद्मा श्रीरेषा प्रहरणमनङ्गस्यः ललितं
कुलस्त्रीध्ससं शोको मदनवरवृक्षस्य कुसुमम्।
सलीलं गच्छन्ती रतिसमयलज्जाप्रणयिनी
रतिक्षेत्रे रङ्गे प्रियपथिकसार्थैरनुगता॥

(ख) धन्यानि तेषां खलु जीवितानि ये कामिनीनां गृहमागतानाम्।
आर्द्रणि मेधोदकशीलानि गात्राणि गात्रेषु परिष्वजन्ति॥

(ग) प्रारम्भेऽस्मिन्स्वामिनो वृद्धि हेतौ
दैवेनेत्थं दत्तहस्तावलम्बे।
सिद्धेर्भ्रान्तिर्नास्ति सत्यं तथापि
स्वेच्छाचारी भीत एवास्मि भर्तुः॥

2. 'मृच्छकटिकम्' पंचम अंक का सांराश अपने शब्दों में लिखिए।

3. 'रत्नावली' नाटिका का साहित्यिक वैशिष्टय अपने शब्दों में लिखिए।

4. 'मृच्छकटिक' प्रकरण के नायक चारुदत्त की उदार प्रकृति एवं दानवीरता की समीक्षा कीजिए।

5. 'रत्नावली' नाटिका में प्रयुक्त रस, छन्द, अलंकार एवं भाषा शैली की व्याख्या कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. 'रत्नावली' नाटिका के अनुसार सागीरका के चरित्र-चित्रण पर प्रकाश डालिए।
2. 'मृच्छकटिकम्' के स्त्री पात्रों का वर्णन कीजिए।
3. 'रत्नावली' नाटिका के मंगलाचरण में किस प्रकार शिव की कृपा का आह्वान किया है वर्णन कीजिए।
4. 'रत्नावली' नाटिका के द्वितीय अंक में वर्णित घटनाओं का वर्णन कीजिए।
5. 'मृच्छकटिकम्' नाटक के प्रणेता शूद्रक का परिचय दीजिए।
6. 'मृच्छकटिकम्' के सप्तम अंक की प्रमुख घटनाओं का वर्णन कीजिए।
7. 'रत्नावली' नाटिका में वर्णित किसी पुरुष पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।
8. शूद्रक के अनुसार चारूदत्त के चरित्र-चित्रण का वर्णन कीजिए।

****